रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 14 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 68 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे की तैयारियां तेज

प्रशासन ने अधिकारियों को सौंपी अहम जिम्मेदारियां

कटनी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री Mohan Yadav के 14 मार्च को प्रस्तावित कटनी आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मुख्यमंत्री के दौरे को सुचारु और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर Ashish Tiwari के निर्देश पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी तय कर दी गई है और उन्हें सौंपे गए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार कार्यक्रम के दौरान संपूर्ण व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर और अतिरिक्त सीईओ अनुराग मोदी को सौंपी गई है। वहीं वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार को हेलीपैड और कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेटिंग के लिए बांस और बल्लियों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व दिया गया है। नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री पवनसुत गुप्ता, जनपद पंचायत बड़वारा की सीईओ प्रभा तेकाम तथा नगर पालिका बरही के मुख्य नगर पालिक अधिकारी रामशिरोमणि त्रिपाठी को हेलीपैड और कार्यक्रम स्थल पर फायर ब्रिगेड, चलित शौचालय, पेयजल, साफ-सफाई और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही कार्यक्रम स्थल की जांच कर फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र जारी कराने का दायित्व भी इन्हीं अधिकारियों को सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया को

हेलीपैड स्थल पर कारकेड वाहनों की व्यवस्था, बुलेटप्रूफ वाहन की उपलब्धता, विशिष्ट अतिथियों और आमंत्रित मेहमानों की सुरक्षा, कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और पार्किंग प्रबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही रोड शो की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम भी उनके जिम्मे रहेंगे।

लोक निर्माण विभाग की कार्यपालन यंत्री श्रीमती शारदा सिंह और पीआईयू के कार्यपालन यंत्री उदल सिंह उईके को हेलीपैड स्थल पर बैरिकेटिंग, सेफ हाउस, शौचालय, प्रतीक्षालय, मंच और पंडाल की व्यवस्था के साथ ही सड़कों की मरम्मत कराने तथा कार्यक्रम स्थल पर होने वाले लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभालने का कार्य सौंपा गया है। कार्यक्रम के मंचीय संचालन और अतिथियों की बैठक व्यवस्था के लिए संयुक्त कलेक्टर जितेंद्र कुमार पटेल, जनपद पंचायत कटनी के सीईओ प्रदीप सिंह, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप मिश्रा, महिला सशक्तिकरण अधिकारी वनश्री कुर्वेती और तहसीलदार ढीमरखेड़ा नितिन कुमार पटेल को जिम्मेदारी दी गई है। मंच पर विशिष्ट अतिथियों के लिए निर्धारित स्थानों की व्यवस्था तथा मंचीय कार्यक्रम का समन्वय भी यही अधिकारी करेंगे।

हेलीपैड स्थल पर आम नागरिकों से प्राप्त होने वाले ज्ञापन और आवेदन एकत्रित करने की जिम्मेदारी डिप्टी कलेक्टर विंकी उईके को दी गई है। वहीं एसडीएम कटनी प्रमोद कुमार चतुर्वेदी वीआईपी और कारकेड वाहनों की व्यवस्था, सर्किट हाउस में कमरों का आरक्षण और अतिथियों के सत्कार की व्यवस्था संभालेंगे। वीवीआईपी और क्रू मेंबर के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन और स्वल्पाहार की गुणवत्ता की जांच का जिम्मा खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवकी सोनवानी और ओमप्रकाश साहू को दिया गया है। इसके साथ ही विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री डी.एन. चौकीकर को कार्यक्रम के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है। सिविल सर्जन यशवंत वर्मा और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज सिंह को एंबुलेंस, चिकित्सकों की ड्यूटी, हेल्थ कैंप और वीवीआईपी चिकित्सा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पूरे कार्यक्रम की निगरानी के लिए स्थापित डीसीसी कंट्रोल रूम के प्रभारी लोक सेवा के जिला प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा और नापतौल निरीक्षक माजिद खान बनाए गए हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री जितेंद्र कुमार गुप्ता और एनआरएलएम की परियोजना अधिकारी शबाना बेगम मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए गुलदस्ता और फूल-मालाओं की व्यवस्था करेंगी। इसके अलावा जिला आबकारी अधिकारी सुश्री विभा मरकाम को पायलट और क्रू मेंबर के सत्कार का दायित्व दिया गया है। लोक निर्माण विभाग की अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मानसी सिंह और विद्युत सुरक्षा की सहायक यंत्री श्रीमती ज्योति यादव कार्यक्रम स्थल पर माइक्रोफोन, कॉर्डलेस माइक, पोडियम, साउंड सिस्टम और विद्युत उपकरणों की टेस्टिंग कर सुरक्षा प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएंगी। कार्यक्रम के दौरान वाहनों के परिवहन और उनकी फिटनेस की संपूर्ण जिम्मेदारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष पाल को सौंपी गई है। वहीं जिला आपूर्ति अधिकारी सज्जन सिंह वीआईपी के लिए स्वल्पाहार, भोजन और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी डाइट व्याख्याता राजेंद्र असाटी को दी गई है। जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रतिभा पांडेय कार्यक्रम स्थल पर कन्या पूजन, दीप प्रज्ज्वलन और रंगोली की व्यवस्था कराएंगी। श्रम पदाधिकारी के.बी. मिश्रा को हितलाभ वितरण कार्यक्रम के लिए पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है, ताकि कार्यक्रम व्यवस्थित और सुरक्षित तरीके से संपन्न हो सके तथा सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं।

ऑनर किलिंग पर सख्ती की तैयारी

कर्नाटक कैबिनेट ने नए विधेयक को दी मंजूरी

नई दिल्ली। Karnataka कैबिनेट ने सम्मान के नाम पर होने वाली हत्याओं और सामाजिक परंपराओं से जुड़ी हिंसा पर रोक लगाने के लिए 'इवा नम्मावा' विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विवाह को लेकर परिवार या समाज की आपत्तियों के कारण होने वाली हिंसक घटनाओं को रोकना है। विधेयक के तहत ऑनर किलिंग के दोषियों को न्यूनतम पांच वर्ष की सजा का प्रावधान रखा गया है। इस कानून का नाम 12वीं सदी के प्रसिद्ध कवि और समाज सुधारक Basavanna की एक कविता से प्रेरित बताया गया है। सरकार का मानना है कि इससे ऐसे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सकेगा।

संसद में गूंजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी

मरीजों की परेशानियों का मुद्दा उठा

नई दिल्ली। राज्यसभा में स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। आम आदमी पार्टी की सांसद Swati Maliwal और राष्ट्रीय जनता दल के Sanjay Yadav ने शून्यकाल के दौरान यह मामला उठाते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। स्वाति मालीवाल ने कहा कि निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के जटिल नियमों के कारण मरीजों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियां आकर्षक विज्ञापन देकर जल्दी क्लेम मंजूरी का वादा करती हैं, लेकिन बाद में कई बहाने बनाकर क्लेम खारिज कर देती हैं। Insurance Regulatory and Development

Authority of India के 2024 के आंकड़ों के अनुसार एक ही साल में लगभग 26 हजार करोड़ रुपये के बीमा क्लेम खारिज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 20 प्रतिशत अधिक है।

सरदारपुर में पट्टे का आवेदन जल्द स्वीकृत करने के लिए रिश्वत ले रही महिला पटवारी को लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा

महानिदेशक लोकायुक्त श्री योगेश देशमुख के भ्रष्टाचार के विरूद्ध सख्त कार्यवाही किये जाने के निर्देश पर इंदौर लोकायुक्त इकाई की ट्रेप कार्यवाही

दिलीप पाटीदार

धार जिले के सरदारपुर में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार पट्टे के आवेदन को जल्द स्वीकृत करने के नाम परआरोपिया पटवारी भारती राजपूत को आवेदक लक्ष्मण कुमावत पिता स्व श्री गंगाराम कुमावत, उम्र 53 वर्ष का होकर ग्राम कुमारिया खेडी, ग्राम पंचायत- भानगढ़

तहसील सरदारपुर जिला धार से एक लाख रुपए कि रिश्वत कि मांग कि आवेदक द्वारा जिसकी शिकायत श्री राजेश सहाय, पुलिस अधीक्षक, विपुस्था, लोकायुक्त कार्यालय इंदौर को की गई। सत्यापन में शिकायत सही पाये जाने पर आज दिनांक 13.03.2026 को ट्रेपदल का गठन किया गया। आरोपिया श्रीमती भारती राजपूत को आवेदक से प्रथम किश्त 5,000/- रू. रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपिया के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 के अंतर्गत कार्यवाही जारी है।

ट्रेपदल

कार्यवाहक निरीक्षक श्री आशुतोष मिठास, कार्यवाहक प्रआर श्री आशीष शुक्ला, आरक्षक श्री विजय कुमार, आरक्षक श्री आदित्य सिंह भदौरिया, आरक्षक श्री पवन पटोरिया, आरक्षक श्री मनीष माथुर, आरक्षक श्री कृष्णा अहिरवार महिला आरक्षक भारती बागोरा

ढुलाई परीक्षा का नवाचार 'प्रैक्टिकल'

बच्चों से उठवाई प्रश्नपत्रों की पेटी

शैक्षणिक दक्षता की परीक्षा के बीच नन्हे विद्यार्थियों से करवा लिया 'शारीरिक परिश्रम' का अभ्यास, अब शिक्षा विभाग परखेगा शिक्षक की कार्यशैली

नवल किशोर

कटनी। इन दिनों विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक दक्षता साबित करने के लिए परीक्षा कक्षों में पसीना बहा रहे हैं, लेकिन बहोरीबंद क्षेत्र में एक शिक्षक ने परीक्षा की परिभाषा ही बदल दी। यहाँ 10 से 12 वर्ष के बच्चों से प्रश्नपत्रों से भरी भारी लोहे की पेटी कंधों पर ढुलवाकर उनकी 'शारीरिक दक्षता' का भी अनौपचारिक इम्तिहान ले लिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही चर्चा का विषय बन गया है और शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं। वायरल वीडियो में नन्हे विद्यार्थी करीब 20 से 25 किलोग्राम वजनी लोहे की पेटी कंधों पर उठाए स्कूल की ओर जाते दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह पेटी बाकल थाना से लाई जा रही थी, जहाँ परीक्षा प्रश्नपत्र सुरक्षित रखे जाते हैं।

विडंबना यह रही कि बच्चे कठिन ग्रामीण रास्ते से करीब 2 से 3 किलोमीटर तक यह बोझ ढोते रहे, जबकि शिक्षक सत्येंद्र पटेल मोटरसाइकिल पर सवार होकर मानो इस 'विशेष प्रैक्टिकल परीक्षा' की निगरानी करते दिखाई दिए। वीडियो सामने आने के बाद अभिभावकों में आक्रोश फैल गया। एक अभिभावक ने सवाल उठाया कि परीक्षा जैसे संवेदनशील कार्य में बच्चों को कुली बनाना किस नियम का हिस्सा है। कई अभिभावकों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराई है।

शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। अडीपीसी धनश्री जैन ने कहा है कि वायरल वीडियो के आधार पर पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी और दोषी शिक्षक या स्टाफ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में परीक्षा सामग्री के परिवहन को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश हैं, जिनमें मजिस्ट्रेट या पुलिस की मौजूदगी अनिवार्य बताई गई है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि जब बच्चे अपनी पढ़ाई की परीक्षा देने निकले थे, तो उनसे यह 'ढुलाई परीक्षा' किस पाठ्यक्रम के तहत करवाई गई और अब शिक्षा विभाग शायद इसी 'नवाचार' की असली परीक्षा लेने की तैयारी में है।

मुख्य सचिव ने एलपीजी आपूर्ति की समीक्षा की,

अफवाहों पर रोक के दिए निर्देश

दिलीप पाटीदार

धार मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने गुरुवार शाम प्रदेश के संभागायुक्तों एवं कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर जिलों में एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में घरेलू एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव श्री जैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिलों में एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जाए तथा उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने गैस एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में सिलेंडरों की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में यह भी बताया गया कि वाणिज्यिक (कमर्शियल) क्षेत्र में आवश्यकता पड़ने पर ईंधन के अन्य विकल्पों के प्रबंधकों से समन्वय स्थापित कर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार की अफवाहें ना फैलने पाएं, इसके लिए प्रभावी निगरानी रखी जाए और आवश्यक होने पर समय-समय पर सही जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना सामने आती है तो उसका तुरंत खंडन करते हुए तथ्यात्मक जानकारी साझा की जाए। पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू LPG की पर्याप्त एवं लगातार उपलब्धता है इसका मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाए। LPG तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पाद की कमी की अफवाहों को फैलने से रोका जाए। LPG की कालाबाजारी एवं जमाखोरी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए। गैस एजेंसी / भंडार गृहों की सुरक्षा एवं निगरानी ।वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध स्टाक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं वैकल्पिक इंधन स्रोतों को अपनाने की सलाह। जहां PNG लाइन उपलब्ध है वहां PNG के कनेक्शन लेने हेतु प्रेरित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिन कार्यों में ज्यादा गैस खर्च होती है उनको नियंत्रित करने एवं विकल्प तैयार करने हेतु प्रेरित किया जाए। जिला कलेक्टर, जिले के खाद्य नियंत्रक अधिकारी, ऑयल कंपनी के नोडल अधिकारी तथा एलपीजी वितरकों से समन्वय कर एलपीजी की आवश्यकता तथा उपलब्धता की प्रतिदिन समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलों के कलेक्टरों ने अपने-अपने क्षेत्रों में एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की जानकारी भी साझा की तथा आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। जिले से कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने किया मेडिकल कॉलेज के ब्लड सेंटर का किया शुभारंभ

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल चिकित्सक धरती पर भगवान के स्वरूप होते हैं। चिकित्सक मरीजों को नया जीवन देने का कार्य करते हैं। मरीज अस्पताल में खुशियां बांटने नहीं आते, बल्कि अपनी मजबूरी और जीवन की नई उम्मीदों के साथ आते हैं। यदि स्वास्थ्य विभाग का अमला पूरी ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करे तो अस्पताल आने वाले मरीजों की आधी तकलीफ अपने-आप दूर हो जाती है और उन्हें जीवन जीने का संबल भी मिलता है। उक्त विचार प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला ने आज शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय में ब्लड सेंटर के शुभारंभ अवसर पर व्यक्त किए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ला ने मेडिकल कॉलेज के ब्लड सेंटर का शुभारंभ फीता काटकर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि ब्लड सेंटर का शुभारंभ शहडोल संभाग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे संभाग के मरीजों को सरलता और सहजता से रक्त उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि शासकीय बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी बेहतर शिक्षा ग्रहण कर

देश और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दें। विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ अपनी संवेदनशीलता और सेवा भावना का भी परिचय देना चाहिए। मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई पूरी कर चिकित्सक बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देकर पिछड़े क्षेत्रों के मरीजों को सेवाएं दें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में 19 शासकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं और शीघ्र ही इनकी संख्या 26 होने जा रही है। शहडोल मेडिकल कॉलेज में भी एमबीबीएस की सीटों को 100 से बढ़ाकर 200 करने तथा पीजी सीटों को 6 से बढ़ाकर 71 करने की प्रक्रिया अंतिम चरण पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सीएम केयर योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों को हृदय रोग, कैंसर तथा अंग प्रत्यारोपण की सुविधा देने जा रही है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह नई क्रांति होगी। आपने मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती हेतु विज्ञापन निकालकर वाक-इन इंटरव्यू शीघ्र आयोजित कर भर्ती प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा रक्तदान करने की सराहना करते हुए कहा कि यह संवेदनशीलता पदर्शित करता है। कार्यक्रम में रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में ब्लड सेंटर के शुभारंभ से जरूरतमंद लोगों को आसानी से रक्त उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में सिटी स्कैन एवं एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराने तथा जिला अस्पताल का विस्तार कर 300 बेड से 500 बेड की क्षमता वाला अस्पताल बनाने की बात कही। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. गिरीश बी. रामटेके ने बताया कि टेलीमेडिसिन सेवा के माध्यम से मार्च 2025 से फरवरी 2026 तक कुल 5587 मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि ब्लड सेंटर के ब्लड कंपोनेंट स्टोरेज रूम में 4 ब्लड बैंक रेफ्रिजरेटर तथा 2 डीप फ्रीजर की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही उन्होंने कोर्ट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, एमबीबीएस सीटों, ओपीडी संचालन सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी दी। इस अवसर पर विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, डीन मेडिकल कॉलेज डॉ. गिरीश बी रामटेके, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक उपस्थित रहे।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने दो सहायक राजस्व निरीक्षकों को किया तत्काल प्रभाव से निलंबित

नवल किशोर

कटनी । निगम के बकाया करों की वसूली हेतु आयोजित होने वाले विशेष वसूली शिविर के दौरान वसूली कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने के

कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम के उल्लंघन का दोषी मानते हुए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नगर निगम के दो सहायक राजस्व निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के नियमों के तहत जिन दो सहायक राजस्व निरीक्षकों पर निलंबन की कार्यवाही की है उनमें संतोष बिरहा एवं अजय निगम शामिल है। निलंबन अवधि में बिरहा एवं निगम का मुख्यालय जोन क्रमांक 1 बस स्टैंड ऑडिटोरियम नगर निगम कटनी निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

पूर्व में भी दिया जा चुका चेतावनी पत्र

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा आयोजित विशेष वसूली शिविर की शासन स्तर से मॉनिटरिंग किये जाने पर उक्त दोनो राजस्व कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने वार्डो में एक भी रसीद जारी नहीं की गई जिसके संबंध में उक्त राजस्व कर्मियों को समीक्षा बैठक के दौरान निरंतर चेतावनी दिये जाने के पश्चात भी वसूली कार्य में लापरवाही बरती गई। जिस पर कार्यालयीन पत्र दिनांक 12 जनवरी के माध्यम से संबंधित कर्मियों को चेतावनी पत्र जारी किया गया। इसके उपरांत भी संबंधित कर्मियों द्वारा वसूली कार्य में प्रगति नहीं लाई जाकर निरंतर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई।

जिले में रसोई गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित

कलेक्टर श्री तिवारी ने दिए सिलेंडर होम डिलीवरी और उपभोक्ताओं के ई-केवाईसी कराने के निर्देश

नवल किशोर

कटनी । जिले में रसोई गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को गैस संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री नीलांबर मिश्रा भी मौजूद रहे। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, अतः नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। कलेक्टर श्री तिवारी ने गैस संचालकों को निर्देशित किया कि गैस एजेंसियां ऑनलाइन बुकिंग के आधार पर ही सिलेंडरों की सप्लाई सुनिश्चित करें। एजेंसी या गोदाम के बाहर भीड़ जमा करने के बजाय हितग्राहियों को उनके घर पर ही होम डिलीवरी की सुविधा दी जाए। डिलीवरी के समय उपभोक्ताओं से ओटीपी अनिवार्य रूप से लें। साथ ही, उन्होंने संचालकों को उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि न वसूलने की हिदायत दी।

कलेक्टर श्री तिवारी ने स्पष्ट किया है कि सभी गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। इसके साथ ही, एजेंसी संचालकों और उनके कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि वे उपभोक्ताओं के साथ सद्भावनापूर्ण व्यवहार करें। बैठक में यह भी तय किया गया कि गैस सिलेंडर की बुकिंग ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन और शहरी क्षेत्रों में 25 दिन के अंतराल पर ही की जा सकेगी। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि यदि कहीं भी एलपीजी का अवैध स्टॉक मिलता है, तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को दें। व्यवसायिक सिलेंडरों का उपयोग केवल अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों में ही किया जा सकेगा, अन्य निजी प्रतिष्ठानों को गैस सिलेण्डर का प्रदाय नहीं किया जाय। बैठक में ऑयल कंपनी की नोडल अधिकारी श्रीमती रेनू वर्मा, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री एस.एस. परिहार सहित, सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री पीयूष कुमार शुक्ल, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी वंदना जैन एवं प्रियंका सोनी अधिकारी उपस्थित रहे।

वैश्वीकरण व असीमित विकल्पों के दौर में द्वंद्व रहित जीवन संभव है सहजयोग से

जीवन की परिस्तिथियों में लिप्त ना होना, सुख दुख से परे जाकर जिंदगी का आनंद उठाना यूं अपने आप में समाया होना कि , हर समस्या का समाधान सहजता से प्राप्त हो यह सब जीवन जीने की कला है जो योग के बाद ध्यान करने से मनुष्य के भीतर विकसित होती है। "जब कुंडलिनी सहस्त्रार का भेदन करती है, तो आप अपने हाथों में शीतल हवा महसूस करते हैं। यह सौम्य शीतल लहरियां हैं जो कि पवित्र आत्मा या इस सर्वव्यापी शक्ति की ठंडी हवा है। लेकिन जब आप इस अवस्था को प्राप्त करते हैं तो आप आत्मा बन जाते हैं, आप उस पहिए की तरह अत्यंत शान्त बन बन जाते हैं, जो गतिशील है। और अगर आपका चित्त पहिए पर है, उसकी परिधि पर है, तब आपका मन भी हर समय चलायमान रहता है। लेकिन अगर आप पहिए की धुरी पर चित्त डालें, तो यह मौन है। अत: आप पूर्ण मौन के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और आप वहाँ से हरेक चीज़ को एक नाटक, एक लीला की तरह देखते हैं। यह सब चीजें

आपके साथ सहज ही घटित होती हैं। आप पहले से ही इसी तरह से बनाए गए हैं ..... जिस तरह यहां सभी बिजली के बल्ब पहले से ही लगे हुए हैं, उसी प्रकार आपके अंदर ही सब कुछ बना बनाया हुआ है। अगर आपको रोशनी करनी है तो आपको बस उस बटन को दबाना मात्र है। "

परम पूज्य माताजी श्री निर्मला देवी जी के 5 अगस्त 1991 के प्रवचन से साभार

हम देख रहे हैं विश्व कितनी तेजी से बदल रहा है। तकनीकी विकास ने, इस ग्लोबलाइजेशन ने जैसे विश्व को एक सूत्र में जोड़ दिया है। परंतु साथ ही साथ हम एक अशांति में प्रवेश होने से स्वंय को बचा नहीं पा रहे हैं। तकनीकी विकास ने मानवता, इंसानियत और भाई चारे को लगभग समाप्त ही कर दिया है। इंसान भी जैसे भावहीन मशीन सा बन गया है. बस पैसे कमाना, सुख सुविधाओं का उपयोग यही जिंदगी बन गई है। धर्म, राजनीति, परिवार और समाज हर जगह द्वंद्व है. जो जन साधारण के अंतर में बेचैनी का भाव भर रहा है. . वर्तमान में स्थिति यह है कि हमारे आसपास के बदलते परिवेश का प्रभाव हम पर इतना अधिक होता है कि हम हम एक बेचैनी से भरा जीवन जीने को विवश होते हैं. शांति से यदि जीवन जीना है तो हमें ध्यान योग से जुड़ना चाहिए. सहज योग से जुडने पर जब हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी शक्ति का जब जागरण होता है तब हमारे अंदर कई गुण विकसित होते हैं जिसमें एक गुण है साक्षी भाव। साक्षी भाव के जागृत होते ही हम पर आसपास के घटनाओं का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता और हम हर एक घटना को साक्षी बनकर देखने लगते हैं। अतः सहज योग से जुड़कर आत्म साक्षात्कार पायें और जीवन का आनंद उठायें. अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलने पर सियासत तेज, कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

नगर निगम की एमआईसी में नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी करने का प्रस्ताव पास, कांग्रेस ने जताई आपत्ति; महापौर का पलटवार

इंदौर। छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलने को लेकर शहर की राजनीति गरमा गई है। इंदौर नगर निगम की एमआईसी बैठक में स्टेडियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया गया है। प्रस्ताव सामने आते ही इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं।

कांग्रेस ने इस निर्णय पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि पहले से स्थापित ऐतिहासिक स्थानों के नाम बदलना उचित नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला का कहना है कि यदि शहर में कोई नया भव्य स्टेडियम बनाया जाए तो उसका नाम छत्रपति शिवाजी के नाम पर रखना गौरव की बात होगी, लेकिन पहले से मौजूद छोटे नेहरू स्टेडियम

का नाम बदलना इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नामों का अपमान है।वहीं इस मुद्दे पर इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। उनका कहना है कि नगर निगम ने फिलहाल केवल प्रस्ताव पारित किया है और कांग्रेस पहले यह स्पष्ट करे कि 'छोटा नेहरू' आखिर कौन थे। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति में ऐसा कौन सा व्यक्तित्व रहा है जिसे छोटे नेहरू के नाम से जाना गया हो।

महापौर ने यह भी कहा कि इस विषय को लेकर कांग्रेस अनावश्यक विवाद खड़ा कर रही है। फिलहाल प्रस्ताव के बाद शहर में इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है और दोनों दलों के बीच बयानबाजी जारी है।

इंदौर से भोपाल तक अफसरों की चुप्पी : रजिस्ट्री का सॉफ्टवेयर नहीं बदला, घंटों जाम रहता सर्वर

मार्च में काम का भारी दबाव, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं हो पा रही रजिस्ट्री ; आमजन परेशान

इंदौर। डिजिटल व्यवस्था और हाईटेक सिस्टम के दावों के बीच इंदौर से भोपाल तक सरकारी सर्वर व्यवस्था की हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है। शहर के रजिस्ट्रार कार्यालय में पिछले कई दिनों से सर्वर जाम होने की समस्या लगातार सामने आ रही है। घंटों तक सर्वर डाउन रहने के कारण रजिस्ट्री कराने आए लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हालत यह है कि इंदौर से लेकर भोपाल तक अधिकारियों के पास एक ही जवाब है– 'सर्वर डाउन है।' चाहे नगर निगम का काम हो, किसी अन्य विभाग का या फिर रजिस्ट्री कार्यालय का, अधिकांश जगहों पर यही स्थिति बनी हुई है। इससे करोड़ों रुपये के राजस्व पर भी असर पड़ने की आशंका है।

रजिस्ट्री कराने के लिए दूर-दराज से आने वाले लोगों को कई-कई घंटे कार्यालयों के चक्कर लगाना पड़ रहा है। कई बार तो पूरा दिन इंतजार करने के बाद भी काम नहीं हो पाता। लोगों का कहना है कि सुविधाएं तो बढ़ा दी गई हैं, लेकिन मुख्य सर्वर की समस्या वर्षों से जस की तस बनी हुई है।

मार्च का महीना होने के कारण रजिस्ट्री कार्य का दबाव भी अधिक रहता है। इसके अलावा आने वाले दिनों में तीज-त्योहार और जमीनों की गाइडलाइन में संभावित बदलाव के कारण भी लोग जल्द से जल्द रजिस्ट्री करवाना चाहते हैं। ऐसे में सर्वर डाउन होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है और वे सरकारी व्यवस्था को कोस रहे हैं।

लोड बढ़ने से आती है समस्या : जिला पंजीयक मंजुलता पटेल के अनुसार कई बार सॉफ्टवेयर पर अचानक ज्यादा लोड आने से सर्वर डाउन की समस्या हो जाती है। उन्होंने बताया कि विभाग लगातार कोशिश करता है कि आमजन को कम से कम परेशानी हो। इसके लिए उच्च अधिकारियों को भी स्थिति से अवगत कराया गया है और भीड़ बढ़ने पर रजिस्ट्री के स्लॉट भी बढ़ाए जाते हैं।

लेकिन सवाल यह है कि जब डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो चुका है, तब भी वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर और कमजोर सर्वर व्यवस्था को अब तक अपडेट क्यों नहीं किया गया। यही वजह है कि इंदौर से लेकर भोपाल तक इस समस्या पर अफसरों की चुप्पी पर सवाल उठने लगे हैं।

15 दिन बाद जरूरी दवाओं पर संकट? मिडल ईस्ट युद्ध का असर, दवाएं हो सकती हैं महंगी

इंदौर। मध्यपूर्व में जारी युद्ध का असर अब दवा उद्योग पर भी दिखाई देने लगा है। कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में भारी वृद्धि के कारण दवा कंपनियों ने सरकार से दवाओं की कीमतें बढ़ाने की अनुमति मांगी है। यदि हालात जल्द सामान्य नहीं हुए तो आने वाले 10-15 दिनों में जरूरी दवाओं की उपलब्धता पर भी असर पड़ सकता है। दरअसल देश में दवाओं की कीमतें नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। फार्मा कंपनियों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में लागत काफी बढ़ गई है, इसलिए मूल्य नियंत्रण में राहत देने की जरूरत है। साथ ही कच्चे माल के आयात-निर्यात और लॉजिस्टिक्स पर सरकार से सब्सिडी की भी मांग की गई है।

कच्चे माल की कीमतों में बड़ा उछाल : फार्मा उद्योग से जुड़े संगठनों के अनुसार युद्ध के कारण पेट्रोलियम उत्पादों और पेट्रोकेमिकल्स की कीमतों में तेजी आई है। यही पदार्थ कई दवाओं के निर्माण में उपयोग होते हैं। इसके चलते दवा उत्पादन की लागत बढ़ती जा रही है।

इंडियन ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अजयसिंह दासुंदी के मुताबिक फार्मास्यूटिकल सॉल्वेंट्स के दाम एक सप्ताह में करीब 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। कुछ कच्चे माल की कीमतों में तो 60 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है। उदाहरण के तौर पर ग्लिसरीन की कीमत दिसंबर के बाद से करीब 64 प्रतिशत बढ़ चुकी है, जबकि पैरासिटामोल 26 प्रतिशत महंगी हो चुकी है।

शिपिंग संकट ने बढ़ाई परेशानी : मध्यपूर्व के तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग भी प्रभावित हो रही है। कंटेनरों की कमी, शिपिंग में देरी और बढ़े हुए फ्रेट चार्ज के कारण दवाओं की लागत और बढ़ गई है। पैकेजिंग सामग्री की कीमतों में भी 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि बताई जा रही है।

कम स्टॉक से बढ़ सकती है दिक्कत : फार्मा कंपनियां आमतौर पर 'जस्ट-इन-टाइम' इन्वेंटरी सिस्टम पर काम करती हैं, जिसमें सीमित स्टॉक रखा जाता है। उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि यदि युद्ध 10-15 दिनों तक और खिंचता है तो जरूरी दवाओं की उपलब्धता पर असर पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार भी प्रभावित : भारत दवाओं का बड़ा निर्यातक है और यूएई, सऊदी अरब और ओमान जैसे देश भारतीय दवाओं पर काफी निर्भर हैं। ऐसे में उत्पादन और आपूर्ति प्रभावित होने पर इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी पड़ सकता है।

कुल मिलाकर कच्चे माल की बढ़ती कीमतें, परिवहन संकट और नियंत्रित दवा कीमतों का दबाव मिलकर फार्मा उद्योग के लिए चुनौती बन गए हैं। यदि हालात नहीं सुधरे तो आने वाले समय में आम लोगों को दवाएं महंगी मिलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

3 मार्च को घोषित छुट्टी से टली परीक्षा, अब 16 मार्च को होगा रद्द हुआ पेपर

इंदौर। 3 मार्च को जिला प्रशासन द्वारा घोषित अवकाश के कारण स्थगित हुई कक्षा आठवीं की परीक्षा अब 16 मार्च को आयोजित की जाएगी। छुट्टी की घोषणा के चलते उस दिन होने वाला पेपर रद्द कर दिया गया था, जिसके कारण विद्यार्थियों को असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ा था। शिक्षा विभाग के अनुसार अब रद्द किए गए प्रश्नपत्र की परीक्षा 16 मार्च को निर्धारित समय पर ली जाएगी। इसके लिए स्कूलों को भी सूचना जारी कर दी गई है, ताकि विद्यार्थी तय कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा में शामिल हो सकें।

प्रियंका चोपड़ा ने बताई बॉलीवुड छोड़ने की वजह, ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग से मिली प्रेरणा

खराब माहौल में रहना पसंद नहीं करती। यह कहना है एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा का, जिन्होंने हाल ही में बताया कि आखिर उन्होंने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड का रुख क्यों किया। प्रियंका ने कहा कि वह भी ऐश्वर्या राय बच्चन और अमेरिकी अभिनेत्री मिंडी कलिंग की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहती थीं और इसी वजह से उन्होंने नए मौके तलाशने का फैसला लिया। प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने महज 18 साल की उम्र में फिल्मों में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म तमिल भाषा की थी, जिसमें उनके साथ साउथ सुपरस्टार विजय नजर आए थे। प्रियंका ने बताया कि उस समय उन्हें पहली बार स्टारडम की असली ताकत देखने को मिली थी, जब विजय को देखने के लिए सेट पर भारी भीड़ जुट जाती थी।

प्रियंका के मुताबिक, करियर की शुरुआत में उन्हें लगता था कि फिल्म इंडस्ट्री का मतलब सिर्फ फेम और लोकप्रियता हासिल करना है। लेकिन समय के साथ उनका नजरिया बदला और उन्होंने समझा कि एक्टिंग सिर्फ शोहरत नहीं, बल्कि एक गंभीर कला भी है। उन्होंने कहा कि अब तक वह करीब 70 फिल्मों में काम कर चुकी हैं और हर प्रोजेक्ट से उन्हें नया अनुभव मिला है। एक्ट्रेस ने यह भी स्वीकार किया कि एक समय ऐसा आया जब उन्हें बॉलीवुड में खुद को सीमित महसूस होने लगा था। उन्हें लगा कि अगर वह एक ही जगह पर रुक गईं तो नए अवसर नहीं मिल पाएंगे। इसी सोच ने उन्हें हॉलीवुड में किस्मत आजमाने के लिए प्रेरित किया।

प्रियंका ने कहा कि उस दौर में अंतरराष्ट्रीय फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में भारतीय कलाकारों की मौजूदगी बहुत कम थी। हालांकि ऐश्वर्या राय बच्चन और मिंडी कलिंग जैसी हस्तियां ऐसी थीं जिन्होंने ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाई। प्रियंका के लिए यह उदाहरण प्रेरणा की तरह था कि भारतीय कलाकार भी दुनिया के मंच पर अपनी जगह बना सकते हैं। प्रियंका का मानना है कि जीवन में कई बार कठिन हालात आते हैं, लेकिन उन परिस्थितियों में फंसे रहना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इंसान लंबे समय तक खराब माहौल में रहता है तो वह उसे सामान्य मानने लगता है, इसलिए समय रहते बदलाव करना जरूरी होता है। आज प्रियंका हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों में सक्रिय हैं और एक ग्लोबल स्टार के तौर पर अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं।

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का हुआ तलाक, चार साल में टूटी शादी

सेलेब्रिटीज के तलाक की लिस्ट में अब एक नाम अभिनेत्री हंसिका मोटवानी का भी जुड़ गया है। हंसिका का पति सोहेल कथूरिया से तलाक हो गया है। काफी वक्त से उनकी शादी में दरार की खबरें आ रही थीं। अब इस पर मुहर लग गई है। मुंबई की बांद्रा कोर्ट ने हंसिका और सोहेल का तलाक फाइनल कर दिया है। दोनों की शादी सिर्फ चार साल तक ही चल सकी।

2022 में हुई थी शादी, आपसी सहमति से हुआ तलाक - हंसिका ने बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से 4 दिसंबर 2022 को धूमधाम से शादी की थी।

क्या 'ओह माय गॉड 3' में नजर आएंगी रानी मुखर्जी?

फिल्म 'ओह माय गॉड 3' में अक्षय कुमार एक नए किरदार में वापसी कर रहे हैं। वहीं फिल्म निर्माता कथित तौर पर मुख्य अभिनेत्री की तलाश में हैं। तो क्या इस फिल्म में रानी मुखर्जी को फाइनल नहीं किया गया है?

'ओह माय गॉड 3'

अक्षय कुमार 'ओह माय गॉड' की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम 'ओह माय गॉडेस' बताया जा रहा है।

क्या 'ओह माय गॉड 3' का हिस्सा होंगी रानी मुखर्जी

पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा।

ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है।

हाल ही में रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की।

नौकरी से असंतुष्ट फिर भी छोड़ने से डर: कॉर्पोरेट दुनिया में बढ़ रहा 'जॉब हगिंग' का नया ट्रेंड

नई दिल्ली। कॉर्पोरेट जगत में बदलते कामकाजी माहौल के बीच कर्मचारियों के व्यवहार में भी तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। कुछ समय पहले तक कार्यस्थल पर Quiet Quitting और Revenge Quitting जैसे ट्रेंड चर्चा में थे, जिनमें कर्मचारी या तो नौकरी छोड़ देते थे या फिर न्यूनतम काम करके अपनी असंतुष्टि जाहिर करते थे। लेकिन अब वर्ष 2026 में एक नया ट्रेंड तेजी से उभरकर सामने आया है, जिसे 'Job Hugging' कहा जा रहा है। यह ट्रेंड सुनने में भले ही सकारात्मक लगता हो, लेकिन इसके पीछे की हकीकत काफी अलग है। दरअसल 'जॉब हगिंग' उस स्थिति को कहा जाता है जब कोई कर्मचारी अपनी मौजूदा नौकरी से खुश नहीं होता, उसे अपने काम में कोई नई चुनौती या उत्साह महसूस नहीं होता, फिर भी वह उसी नौकरी से चिपका रहता है। कई बार कर्मचारी मानसिक रूप से अपने काम से जुड़ाव महसूस नहीं करते, फिर भी नौकरी छोड़ने का फैसला नहीं ले पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह नई नौकरी में जाने से जुड़ी अनिश्चितता और जोखिम का डर होता है।

आज के समय में आर्थिक परिस्थितियां, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और नौकरी के सीमित अवसर भी कर्मचारियों को सुरक्षित विकल्प चुनने के लिए मजबूर कर रहे हैं। कई कर्मचारियों को लगता है कि नई कंपनी में जाने पर काम का माहौल कैसा होगा, नौकरी कितनी स्थिर होगी या फिर वे नई जिम्मेदारियों को निभा पाएंगे या नहीं। इन सवालों और आशंकाओं के कारण वे मौजूदा नौकरी को ही सुरक्षित मानते हुए उसी में बने रहना बेहतर समझते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 'जॉब हगिंग' का यह ट्रेंड आधुनिक कार्य संस्कृति की एक बड़ी सच्चाई को सामने लाता है। इसमें कर्मचारी नौकरी से पूरी तरह संतुष्ट नहीं होते, लेकिन स्थिर आय, आर्थिक सुरक्षा और करियर में जोखिम से बचने के कारण वे बदलाव से दूरी बनाए रखते हैं।

तेज धूप में स्किन हो रही बेजान और टैन? घर पर बनाएं ये 7 कूलिंग फेस पैक, मिलेगी ठंडक और नैचुरल ग्लो

नई दिल्ली। गर्मियों का मौसम शरीर के साथ-साथ त्वचा के लिए भी काफी चुनौतीपूर्ण माना जाता है। तेज धूप, गर्म हवाएं और बढ़ता तापमान त्वचा की नमी को तेजी से कम कर देता है। इसके कारण स्किन डिहाइड्रेट होने लगती है और टैनिंग, जलन, रैशेज, पसीने के दाने और इरिटेशन जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

कई लोगों की त्वचा इस मौसम में बेजान और थकी हुई नजर आने लगती है। ऐसे में स्किन को ठंडक, नमी और पोषण देना बेहद जरूरी हो जाता है, ताकि त्वचा स्वस्थ और ताजगी भरी बनी रहे। त्वचा विशेषज्ञों का मानना है कि गर्मियों में केमिकल युक्त उत्पादों के बजाय प्राकृतिक चीजों का उपयोग करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। घर में आसानी से मिलने वाली कुछ प्राकृतिक सामग्रियों से बने फेस पैक त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे पोषण भी देते हैं। नियमित रूप से इनका उपयोग करने से टैनिंग कम करने, त्वचा को हाइड्रेट रखने और नैचुरल ग्लो बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

गर्मियों में खीरा, एलोवेरा, दही, चंदन, गुलाब जल और पुदीना जैसी चीजें त्वचा के लिए काफी फायदेमंद मानी जाती हैं। उदाहरण के लिए खीरे का फेस पैक त्वचा को ठंडक देता है और सन टैन कम करने में मदद करता है। एलोवेरा त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है और जलन या लालिमा को शांत करने में सहायक होता है। वहीं दही और चंदन का मिश्रण त्वचा को साफ करने के साथ-साथ उसे मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करता है। इसके अलावा मुल्तानी मिट्टी, गुलाब जल और पुदीना से बना फेस पैक भी गर्मियों में काफी उपयोगी माना जाता है। यह त्वचा की अतिरिक्त ऑयल को नियंत्रित करने के साथ-साथ रोमछिद्रों को साफ करता है और चेहरे को ताजगी देता है। नियमित रूप से इन घरेलू फेस पैक्स का इस्तेमाल करने से त्वचा को प्राकृतिक ठंडक मिलती है और गर्मियों में होने वाली कई समस्याओं से बचाव किया जा सकता है।

कुलदीप यादव की शादी में रिंकू सिंह-युजवेंद्र चहल मसूरी पहुंचे

बोले- भाई की शादी, फुल डांस होगा

शाम को संगीत और कॉकटेल पार्टी आयोजित

मसूरी (एजेंसी)। कुलदीप यादव की शादी को लेकर मसूरी में समारोह शुरू हो चुके हैं। सुबह 11 बजे से हल्दी की रस्म शुरू हुई, जो दोपहर करीब दो बजे के बाद खत्म हुई। इसके बाद मेहमानों ने खास दावत का आनंद लिया, जिसमें एक थाली की कीमत 20 हजार रुपए से ज्यादा है।

हल्दी के बाद समारोह में डांस और मस्ती का दौर शुरू हो गया। इससे पहले ही क्रिकेट और मनोरंजन जगत की कई हस्तियां मसूरी पहुंच चुकी थीं। इसके अलावा रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल, कैलाश खेर और बॉलीवुड अभिनेता कुणाल कपूर भी समारोह में शामिल होने के लिए मसूरी पहुंचे हैं।

क्रिकेटर रिंकू सिंह अपनी मंगेतर प्रिया सरोज के साथ नजर आए। वहीं, युजवेंद्र चहल ने कहा कि भाई की शादी है, फुल डांस होगा। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप भी समारोह में शामिल होने के लिए मसूरी पहुंच चुके हैं। वहीं, शाम तक तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के पहुंचने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार को शादी समारोह में सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा और भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के भी शामिल होने की उम्मीद है।

बचपन की दोस्त से शादी कर रहे कुलदीप- मसूरी में होने वाली इस शादी को लेकर होटल और आसपास के इलाकों में खास तैयारियां की गई हैं। अभी होटल में कुलदीप यादव के दोस्त मस्ती और डांस कर रहे हैं। कुलदीप अपनी मंगेतर और बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ 14 मार्च को शादी के बंधन में बंधेंगे। यह रॉयल वेडिंग उत्तराखंड के मसूरी स्थित आलीशान आईटीसी सेवॉय होटल में हो रही है। शादी के कार्यक्रम 12 मार्च से शुरू हुए थे, जो 14 मार्च तक चलेंगे। डिजिटल इन्विटेशन कार्ड में मेहंदी, हल्दी, संगीत, कॉकटेल और शादी के मुख्य कार्यक्रम की पूरी जानकारी साझा की गई है। कुलदीप 12 मार्च को देहरादून पहुंचे थे, जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद वह कार से मसूरी पहुंचे। होटल के एंट्री गेट पर कुलदीप यादव नाचते और जश्न मनाते हुए नजर आए।

हल्दी रस्म हुई

संगीत और कॉकटेल

13 मार्च को सुबह 11 बजे होटल के बीयर गार्डन में हल्दी की रस्म हुई। इसके बाद शाम 6 बजे सेंट्रल लॉन में ग्रैंड संगीत और कॉकटेल पार्टी आयोजित थी।

- **कुलवंश के नाम से ट्रेंड करेगी शादी-** डिजिटल इन्विटेशन कार्ड की शुरुआत भगवान गणेश की वंदना से की गई है। कार्ड को रॉयल और मॉडर्न लुक दिया गया है, जिसमें कुलदीप यादव और वंशिका सिंह के एनिमेटेड अवतार भी नजर आते हैं। कपल ने अपनी शादी के लिए कुलवंश चुना है। यह हैशटैग कुलदीप के नाम के 'कुल' और वंशिका के नाम के 'वंश' को मिलाकर बनाया गया है। माना जा रहा है कि शादी से जुड़े फोटो और वीडियो इसी हैशटैग के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किए जाएंगे।

ज्वेरेव पहली बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

एटीपी मास्टर्स के सभी 9 इवेंट्स में आखिरी-4 खेलने वाले पांचवें खिलाड़ी बने

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। ज्वेरेव ने कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने गुरुवार को इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया।

इस जीत के साथ ज्वेरेव एटीपी मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

बिग फोर के क्लब में शामिल

इस उपलब्धि के साथ ज्वेरेव बिग फोर यानी रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे के चुनिंदा खिलाड़ी क्लब में शामिल हो गए हैं। ज्वेरेव ने कहा,इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ पांच खिलाड़ियों में शामिल होना मेरे लिए बहुत खास है। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर मुझे गर्व है।

मास्टर्स खिताब जीत चुके हैं- ज्वेरेव अब तक नौ में से पांच मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीत चुके हैं। हालांकि, वह अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए हैं, जबकि तीन बार फाइनल तक पहुंच चुके हैं।

सेमीफाइनल में सिनर से मुकाबला- सेमीफाइनल में ज्वेरेव का मुकाबला इटली के वर्ल्ड नंबर-2 जेनिक सिनर से होगा। सिनर के खिलाफ ज्वेरेव का रिकॉर्ड थोड़ा कमजोर रहा है और वह लगातार पांच मैच हार चुके हैं।

सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को सिर्फ 66 मिनट में 6-1, 6-2 से हराया। सिनर अभी तक इंडियन वेल्स का खिताब नहीं जीत पाए हैं और इस साल अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और कतर ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गए थे।

क्या है एटीपी मास्टर्स 1000 का 'सेट'

टेनिस में ग्रैंड स्लैम के बाद मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट सबसे प्रतिष्ठित माने जाते हैं। एक साल में कुल 9 ऐसे टूर्नामेंट होते हैं-इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो, मैड्रिड, रोम, कनाडा, सिनसिनाटी, शंघाई और पेरिस। इन सभी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी खिलाड़ी की निरंतरता और उच्च स्तर के प्रदर्शन को दर्शाता है। ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना यह 'सेट' पूरा कर लिया है।

अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

मध्यप्रदेश में जूनियर डॉक्टरों का वजीफा बढ़ा, एक अप्रैल 2025 से लागू

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने जूनियर डॉक्टरों के वजीफे में वृद्धि के आदेश जारी कर दिए हैं। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने संशोधित वजीफा लागू करने का निर्णय लिया है, जो एक अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। नए आदेश के अनुसार स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के जूनियर डॉक्टरों का वजीफा 75,444 रुपये से बढ़ाकर 77,662 रुपये कर दिया गया है।

द्वितीय वर्ष के डॉक्टरों को अब 80,050 रुपये और तृतीय वर्ष के डॉक्टरों को 82,441 रुपये मिलेंगे। इसी प्रकार इंटर्न का वजीफा 13,928 रुपये से बढ़ाकर 14,337 रुपये किया गया है। वरिष्ठ रेजिडेंट का वजीफा बढ़ाकर 90,803 रुपये कर दिया गया है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि जूनियर डॉक्टर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस निर्णय से शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में कार्यरत जूनियर डॉक्टरों को लाभ मिलेगा।

बस ने बाइक सवार दंपत्ति को टक्कर मारी

दस फीट दूर झाड़ियों में गिरे पति-पत्नी, दोनों की मौत

भोपाल (नप्र)। बैरसिया इलाके में गुरुवार सुबह तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार दंपत्ति को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पति और पत्नी करीब दस फीट दूर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरे। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दोनों ही शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

टीआई वीरेंद्र सेन के मुताबिक ग्राम मनीखेड़ी गुनगा में रहने वाले मोहर सिंह रैकवार खेती करते थे। वह आज सुबह करीब 11 बजे अपनी पत्नी उमा बाई के साथ बाइक पर सवार होकर मनीखेड़ी से ग्राम नंदगांव रिश्तेदारों के घर जा रहे थे। तभी तरावली जोड़ के पास उनकी बाइक को तेज रफ्तार बस ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

आरोपी चालक हादसे के बाद फरार

हादसे के बाद बस का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक पति-पत्नी का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस ने बस को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

आज जीएमसी में विशेष स्क्रीनिंग

बदलता चश्मे का नंबर,आंखों में खुजली-आंसू और सिरदर्द कालापानी का संकेत, 70 प्रतिशत में देरी अंधेपन की वजह

भोपाल (नप्र)। क्या आपके चश्मे का नंबर बार-बार बदल रहा है, आंखों में खुजली और आंसू आते हैं तथा सिरदर्द भी बना रहता है? डॉक्टरों के अनुसार ये लक्षण कालापानी यानी ग्लूकोमा के हो सकते हैं। यह एक साइलेंट रोग है, जिसमें शुरुआत में कोई खास लक्षण दिखाई नहीं देते और मरीज को तब पता चलता है जब आंखों की रोशनी गंभीर

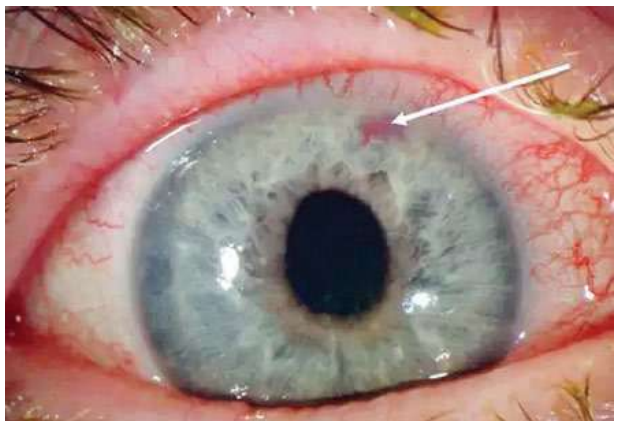

रूप से प्रभावित हो चुकी होती है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि उनके पास आने वाले करीब 75 प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनकी एक आंख की रोशनी लगभग जा चुकी होती है। इस खतरे को देखते हुए 14 मार्च को गांधी मेडिकल कॉलेज में 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए विशेष स्क्रीनिंग शिविर लगाया जाएगा।

ईरान के समर्थन में सामने आया मुस्लिम समाज

खामेनेई को श्रद्धांजलि देने काली पट्टी बांधकर पढ़ेंगे ईद की नमाज

भोपाल (नप्र)। अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम को लेकर शहर में मुस्लिम समाज के बीच नाराजगी देखने को मिल रही है। जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम संगठनों ने ईरान के समर्थन और इज़राइल के विरोध में आवाज उठाते हुए इस बार ईद सादगी से मनाने की अपील की है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि मौजूदा हालात में खुशी के दिखावे से बचते हुए लोगों को सादगी के साथ त्योहार मनाना चाहिए।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी से जुड़े पदाधिकारियों के अनुसार ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु अयातुल्लाह खामेनेई की मौत को लेकर समाज में गहरा आक्रोश है। उनके सम्मान में ईद की नमाज के दौरान लोगों से बाजू पर काली पट्टी बांधकर श्रद्धांजलि देने की अपील की गई है।

जुमे की नमाज के बाद समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में अस्थिरता का माहौल बना हुआ है। उनका आरोप है कि अमेरिका और इज़राइल की नीतियों के कारण कई देशों में संघर्ष की स्थिति बनी है। इसी के विरोध में समाज

के लोगों से ईद के दिन सादगी से त्योहार मनाने का आग्रह किया गया है।

ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में मासूम लोगों की मौत हुई है, इसलिए इस बार ईद को बेहद सादगी से मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईद की नमाज के लिए जाते समय लोग अपने हाथ पर काली पट्टी बांधकर जाएं। उनके अनुसार यह अयातुल्लाह खामेनेई को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और शांति व इंसाफ की मांग का प्रतीक भी बनेगा।

कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनस खान ने कहा कि संवैधानिक तरीके से विरोध दर्ज कराना हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने कहा कि दुनिया में राजनीतिक आतंकवाद का एक नया स्वरूप सामने आया है, जिसमें शक्तिशाली देश अपने हितों के लिए कमजोर देशों पर दबाव बनाते हैं। उन्होंने देश के मुसलमानों से अपील की कि ईद की नमाज के दौरान काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएं और अमन बनाए रखें।

पाकिस्तानी एयरफोर्स ने कई अफगानी शहरों में की एयरस्ट्राइक, कंधार में फ्यूल डिपो पर भी हमला

रमजान के पवित्र महीने के आखिरी दिनों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है अफगानिस्तान ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगान संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए काबुल, कंधार, पक्तिया और पक्तिका समेत देश के कई हिस्सों में भीषण हवाई हमले किए हैं पाकिस्तानी एयरफोर्स के विमानों ने कंधार हवाई अड्डे के पास स्थित निजी एयरलाइन 'काम एयर' के फ्यूल डिपो को निशाना बनाया है. यह कंपनी सिविल एयरलाइनों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के विमानों को भी ईंधन की

आपूर्ति करती है. यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब ईरान-इजरायल जंग की वजह से कई देशों में तेल का संकट बना हुआ है.अफगान, तालिबान अधिकारियों द्वारा जारी बयान के अनुसार, इन हवाई हमलों में रिहाइशी इलाकों को निशाना बनाया गया है, जिससे कई नागरिक घर तबाह हो गए हैं. दावा किया गया है कि इस हमले में महिलाओं और बच्चों की मौत हुई है वहीं, कुछ अन्य स्थानों पर पाकिस्तानी विमानों ने खाली रेगिस्तानों और निर्जन क्षेत्रों में बमबारी की है।

एलपीजी सिलेंडर के लिए देश भर में मारामारी

● पंजाब में एलपीजी सिलेंडर लेकर भागते दिखे लोग ● 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40 फीसदी रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

● **उत्तर प्रदेश में चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियां तक बंद-** यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहां 300-325 यूनिट में से 95 फीसदी पॉटरी यूनिट बंद हैं। 30 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं। यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों व आगरा की पेठा फैक्ट्रियों का है।

राजस्थान में गैस सप्लाई ठप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली

होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।

एमपी में सिलेंडर बुकिंग ठप एजेंसियों के बाहर कतारें

भोपाल। मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग बंद सी है। सर्वर डाउन है, इसलिए लोग बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। वेटिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेशभर में गैस एजेंसियों और गोदामों के बाद सुबह से लोगों की भीड़ लगी हुई है। कुछ शहरों से सिलेंडर की कालाबाजारी के आरोप भी लगे हैं। इधर, मार्केट में इंडक्शन और डीजल भट्ठी की कीमतें बढ़ी हैं। भोपाल में इंडक्शन की बिक्री 7 गुना तक बढ़ गई है। वहीं, प्रदेश में 50 हजार होटल-रेस्टॉरेंट में गैस खत्म होने के कगार पर है। सतना के 86 लोगों ने सिलेंडर नहीं मिलने की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की है। उज्जैन में एक प्राइवेट अस्पताल की कैंटीन में डीजल भट्टी से खाना बनाया जा रहा है। भोपाल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तेजकुल पाल सिंह पाली के मुताबिक, भोपाल के करीब 2 हजार होटल-रेस्टॉरेंट को 4 दिन में एक भी सिलेंडर नहीं मिला। कई होटल्स ऐसे हैं, जहां पर 24 से 48 घंटे तक भी बमुश्किल निकल पाएंगे। एसोसिएशन नेमांग की है कि होटल, रेस्टॉरेंट, कॉलेज की कैंटीन को भी इमरजेंसी सेवा में शामिल किया जाए।

नवरात्रि से पहले एमपी की लाड़ली बहनों को तोहफा

● सीएम मोहन यादव ने खातों में ट्रांसफर किए 1836 करोड़ रुपए

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नवरात्रि से पहले प्रदेश की लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात देते हुए लाड़ली बहना योजना की 34वीं किश्त जारी की। ग्वालियर जिले के घाटीगांव स्थित शबरी माता मंदिर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उन्होंने 1.25 करोड़ महिलाओं के खातों में 1500 रुपये की दर से कुल 1836 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 121 करोड़ रुपये की लागत के 54 विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और कन्या पूजन से हुई। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद महिलाओं पर पुष्पवर्षा की और हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र, स्व-सहायता समूहों के चेक तथा मुद्रा योजना के चेक भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसमें प्रदेश की बहन-बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने बताया कि जून 2023 से फरवरी 2026 तक योजना की 33 किश्तों के माध्यम से 54,140 करोड़ रुपये महिलाओं के खातों में सीधे ट्रांसफर किए जा चुके हैं। नवंबर 2025 से मासिक सहायता में 250 रुपये की वृद्धि की गई है।

● लिखी जा रही विकास की नई इबारत

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रदेश में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। लाड़ली बहना योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में बहनों को प्रतिमाह 3000 रुपये तक देने का लक्ष्य रखा गया है। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जो संकल्प लिया है, उसे पूरा करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है और किसानों व महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। लाड़ली बहना सम्मेलन में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, राज्य सरकार के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह, विधायक मोहन सिंह राठौर तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भोपाल जल अभावग्रस्त घोषित, प्राइवेट ट्यूबवेल खनन पर रोक

भोपाल। भोपाल जिले को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही पूरे जिले में निजी ट्यूबवेल और बोरवेल खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। यह आदेश कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने शुक्रवार को जारी किए, जो तुरंत लागू हो गए हैं। आदेश के उल्लंघन पर एफआईआर दर्ज होने के साथ दो साल तक की सजा का प्रावधान है। कलेक्टर के आदेश के मुताबिक जिले में अब बिना अनुमति ट्यूबवेल या नलकूप खनन नहीं किया जा सकेगा। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से बोरिंग कराता है या मशीन जिले में प्रवेश करती है, तो संबंधित एसडीएम और पुलिस अधिकारी मशीन जब्त कर एफआईआर दर्ज करवा सकेंगे।

ईरान से जंग के बीच क्रैश हुआ अमेरिकी विमान

● 4 लोगों की हो गई मौत, हवा में भर रहा था ईंधन

बगदाद (एजेंसी)। इराक में अमेरिका का विमान केसी-135 हवा में फ्यूलिंग के दौरान क्रैश हो गया है। इस विमान में सवार 6 क्रू सदस्यों में से 4 की मौत हो गई है। सैंटकाम के मुताबिक इस क्रैश में न तो दुश्मन की गोलीबारी की जानकारी सामने आई है और न ही अमेरिकी पक्ष की तरफ से की गई फायरिंग की। ईरान पर मिलकर हमला करने वाले अमेरिका और इजरायल को भी युद्ध में भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस युद्ध में अभी तक आधिकारिक रूप से अमेरिका के चार विमान गिर चुके हैं और एक महंगा एयर डिफेंस सिस्टम थाड का रडार भी नष्ट हो चुका है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने बताया कि ईंधन भरने वाले एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 6 क्रू सदस्यों में से चार की मौत हो गई है।

दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है भारत

● मिडिल ईस्ट तनाव के बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बातचीत की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति और सुरक्षा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति से क्षेत्र में पैदा हुई गंभीर स्थिति पर बातचीत की। पीएम मोदी ने लिखा सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मैंने राष्ट्रपति डॉ मसूद पेजेश्कियन से क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की। बढ़ते तनाव, नागरिकों की जानमाल की हानि और नागरिक बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की।

● **ईरान युद्ध के बीच पहली बार बोले मोजतबा खामेनेई-** बता दें कि अपने दिवंगत पिता की जगह संभालने के बाद ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने पहला बयान जारी कर गुरुवार को कहा कि ईरान अपने खाड़ी अरब के पड़ोसियों पर हमले जारी रखेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के रणनीतिक लाभ का इस्तेमाल अमेरिका व इजराइल के खिलाफ दबाव के लिये करेगा।

सीईसी को हटाने के लिए विपक्ष ने दिया नोटिस

● 200 से अधिक विपक्षी सांसदों ने कर दिए हैं साइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विपक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए शुक्रवार संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में नोटिस दिए। इस नोटिस पर 200 से अधिक सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने बताया कि नोटिस में सात बिंदु हैं। नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना जैसे आरोप शामिल हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं।